हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 152 देहरादून, शुक्रवार, 08 दिसंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

पीएम दौरे से पहले हरदा का उपवास, कांग्रेस का एकजुट प्रदर्शन 3

इन्वेस्टर्स समिट में देश-विदेश के बड़े उद्योगपति शामिल : धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एफआरआई में आयोजित होने वाले डेस्टिनेशन उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों को लेकर आयोजन स्थल पर की गई सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे, जबकि गृहमंत्री अमित शाह 9 दिसंबर को समापन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि डेस्टिनेशन उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत अभी 3 लाख करोड़ के करार किए जा चुके हैं, जबकि 44 हजार करोड़ के करारों की ग्राउंडिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में कार्य करने के लिए निवेशकों द्वारा जो रुचि दिखाई गई है जिससे राज्य की प्रगति में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में राज्य में कार्य करने की अनेक संभावनाएं, इन क्षेत्रों को विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसे करारों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें स्थानीय स्तर पर लोगों को सबसे अधिक रोजगार मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट के तहत जो करार हुए हैं, उन्हें धरातल पर उतारने का कार्य तेजी से चल रहा है। अधिकारियों को भी इसकी नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट में देश और विदेश के बड़े उद्योगपति भाग ले रहे हैं। हेल्थ, वेलनेस, शिक्षा, चिकित्सा, पर्यटन, ऑटोमोबाइल, फार्मा एवं राज्य की आवश्यकतानुसार विभिन्न सेक्टरों पर फोकस किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन निवेशकों से करार हुए हैं, उनको राज्य में निवेश करने के लिए नीतियों का सरलीकरण भी किया गया है। निवेशकों के सुझावों के आधार पर 27 नई नीतियां बनाई गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मार्गदर्शन राज्य को निरंतर मिल रहा है। इस दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने के लिए उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार द्वारा हर क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ एस एस संधु, अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव डॉ आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, डॉ बी वी आर सी पुरुषोत्तम, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी एवं आयोजन की तैयारियों में लगे अधिकारी उपस्थित थे।

धामी के समिट महायज्ञ से निकलेगा विकास का अमृत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसंबर , उत्तराखंड में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट की शुरुआत शुक्रवार को होगी. इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगें. सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की है.प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को देहरादून में आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय उत्तराखंड वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन-2023 (ग्लोबल इन्वेस्टर समिट) का सुबह 10 बजे उद्घाटन करेंगे. जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नौ दिसंबर को इस सम्मेलन के समापन के दौरान उपस्थित रहेंगे.

प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार प्रधानमंत्री इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे. पीएमओ ने कहा, ''शांति से समृद्धि'' थीम वाला यह शिखर सम्मेलन उत्तराखंड को नए निवेश गंतव्यों के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक कदम है. शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री के अलावा दुनियाभर से हजारों निवेशक और प्रतिनिधि भाग लेंगे. पीएमओ के बयान में कहा गया है कि इसमें केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न देशों के राजदूतों के साथ-साथ प्रमुख उद्योगपति भी भाग लेंगे.

सीएम ने की तैयारियों की समीक्षा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की. आयोजन से पहले एक पखवाड़े से अधिक समय से देहरादून को सजाया-संवारा जा रहा है. मुख्य सड़कों का नवीनीकरण किया गया है और क्षतिग्रस्त डिवाइडरों और फुटपाथ की मरम्मत की गई है. सीएम धामी ने अधिकारियों से कहा कि शिखर सम्मेलन के आयोजन की सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि यह राज्य के लिए बड़ा आयोजन है.

इसके पहले शिखर सम्मेलन से पहले धामी ने राज्य में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए देश भर के प्रमुख शहरों और ब्रिटेन के लंदन और बर्मिंघम में कई रोड शो किए. उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौता ज्ञापनों (एमओयू)पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं. सीएम धामी ने कहा कि अब इन एमओयू को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं जिनमें स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की क्षमता है.

8 और 9 दिसंबर को देहरादून शहर में रहेंगे ये रूट डायवर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसंबर , उत्तराखंड में होने जा रहे उत्तराखंड इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियां अंतिम चरण में है , सड़कों और बाज़ारों को सजाया जा रहा है , साफ़ सफाई पेंटिंग , और चौराहों की साजसज्जा के बाद एक अलग ही देहरादून दिखाई दे रहा है। लेकिन अब बारी जनता की है जिसको अब लागू ट्रेफिक रूट्स का पालन करना होगा । बता दें कि आठ व नौ दिसंबर को एफआरआई में वैश्विक निवेशक सम्मेलन का आयोजन होना है। इस दौरान देहरादून शहर के विभिन्न रूट डायवर्ट रहेंगे।

8 और 9 दिसंबर को देहरादून शहर का रूट प्लान

विकासनगर से देहरादून शहर की आने वाले वाहन को धूलकोट से शिमला बाईपास की ओर डायवर्ट किए जाएंगे।

विकासनगर से प्रेमनगर होते हुए शहर की ओर से आने वाले यातायात को प्रेमनगर बाजार से दरु चौक से गोरखपुर चौक शिमला बाई पास रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा।

प्रेमनगर से पंडितवाड़ी की ओर आने वाले यातायात को लवली मार्केट होते हुए बसंत विहार की ओर भेजा जाएगा।

आईएसबीटी से रिस्पना की ओर जाने वाले भारी वाहनों को कारगी चौक से दूधली रोड की ओर भेजा जाएगा।

हरिद्वार की ओर से आने वाले भारी वाहनों को लालतप्पड़ व हर्रावाला में रोका जाएगा।

डेलीगेट्स के वाहन कौलागढ़ गेट से प्रवेश कर रॉय रोड से हार्ट रोड पर डेलीगेट्स को ड्राप कर निर्धारित पार्किंग स्थलों पर जाएंगे। वापसी इसी मार्ग से होगी।

मीडिया, वीआईपी के वाहन ट्रैवर गेट से प्रवेश कर निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहनों को पार्क कर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। वापसी इसी मार्ग से।

आगंतुकों के वाहन बाबू गेट, ट्रैवर गेट से प्रवेश कर निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहनों को पार्क कर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। वापसी इसी मार्ग से होगी।

ड्यूटीरत कर्मियों के वाहन बाबू गेट, ट्रैवर गेट से प्रवेश कर निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहनों को पार्क कर अपने-अपने ड्यूटी प्वाईंट पर पहुंचेंगे। वापसी इसी मार्ग से होगी।

बस में आने वाले नागरिक बाबू गेट पर ड्राप होंगे। बस को बसंत विहार स्थित निर्धारित 30 बीघा पार्किंग स्थल में पार्क किया जाएगा।

प्रस्तावों के अनुमोदन के लिये डेडिकेटेड टीम लगाई जाए : मुख्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसंबर , मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने पूँजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना 2023- 24 के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कार्यों में तेज़ी लाने के लिए सचिव स्तर पर सप्ताह में 2 बार बैठक कर समीक्षा किए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रस्तावों के अनुमोदन के लिये डेडिकेटेड टीम लगाई जाए ताकि फ़ाइलों के पारगमन में अत्यधिक समय न लगे। मुख्य सचिव ने प्रदेश में पुस्तकालयों के निर्माण पर अधिकारियों को शीघ्र कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विद्यालयों के पुस्तकालयों को मजबूत किया जाए। साथ ही जहां उपलब्ध नहीं हैं वहाँ नए तैयार किए जाएँ। उन्होंने कहा कि इन पुस्तकालयों का लाभ स्थानीय लोग भी उठा सकें इसके लिए पुस्तकालय की एंट्री विद्यालय के बाहर से दी जाए। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को अपनी भूमि के उपयोग के लिये अगले 30 से 50 वर्षों का मास्टर प्लान बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विभाग अगले 50 सालों की आवश्यकताओं के हिसाब से मास्टर प्लान बना लेंगे तो भूमि का उचित रूप से उपयोग हो सकेगा। इससे विभागों की भविष्य की आवश्यकताओं को सही तरीके से पूरा किया जा सकेगा।मुख्य सचिव ने योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की उपयोगिता प्रमाणपत्र भी समय से उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिये। कहा कि जिन विभागों का बजट अभी तक रिलीज़ नहीं हुआ है, विभाग तेज़ी से कार्यों को पूरा कर उपयोगिता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराएँ। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव दिलीप जावलकर, रवीनाथ रमन, एच.सी. सेमवाल, विजय कुमार यादव, अपर सचिव डॉ. अहमद इकबाल, नितिन भदौरिया एवं अमनदीप कौर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम दौरे से पहले हरदा का उपवास, कांग्रेस का एकजुट प्रदर्शन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 8 दिसंबर , पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आपदा से प्रभावित किसानों की मुवावजा व गन्ने की मूल्य राशि बढ़ाये जाने सहित कई मांगो को लेकर गांधी पार्क में उपवास रखा। उपवास के समापन के बाद बोलते हुए उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों को फिर सरकार ने छल दिया है। कह रहे हैं कि आपदा का पुर्न सर्वेक्षण करवाएंगे। क्या कृषि मंत्री जी यह समझते हैं कि आज भी किसान के खेत में पानी खड़ा ही होगा, उसमें उसका गन्ना सड़ गया जहां किसान का धान नष्ट हो गया था, चरी नष्ट हो गई थी, उस खेत का कोई और उपयोग नहीं किया होगा ? आगे की

फसल की तैयारी नहीं की होगी, अब सर्वेक्षण किस बात का करवाओगे? यह किसानों की आंख में धूल झोंकने का एक प्रयास है।

सीधी सी मांग है, किसानों का जो आपने ₹1100 प्रति बीघा मुआवजा दिया है, वह किसानों का अपमान है। हमारी मांग तो 10 हजार रुपया प्रति बीघा है, आप अपनी क्षमता देखकर के इसको बढ़ाइये। सरकार की इंद्रियां खुलें और वो किसानों में अपनी रेटिंग को सुधारने के लिए कुछ प्रयास करें उन्होंने यह भी कहा कि अभी मैं बूड़ा नहीं ,यदि स्ट्रेचर में भी रहूँगा तो भी कांग्रेस की सरकार वापस लाने के लिए संघर्ष करता रहूँगा ।

उपवास का समापन गांधी धुन के बाद किया गया । इस अवसर पर विधायक अनुपमा रावत, विधायक वीरेंद्र जाति, पूर्व विधायक काजी निजामुद्दीन, सतपाल ब्रह्मचारी, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, मनीष कर्णवाल, नईम कुरेशी, संजय सैनी, मुकरम अंसारी, मुस्तफा, विनोद चौधरी, सतबीर चौधरी, मो अयाज रामजस सिंह, महानगर डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी, मथुरा दत्त जोशी, आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा, मोहन काला, मनमोहन शर्मा, सुशील राठी, महेंद्र नेगी गुरुजी, टीटू त्यागी, हेमा पुरोहित, संग्राम सिंह पुंडीर, साधना तिवारी, मनीष नागपाल, शीशपाल बिष्ट, गरिमा दसौनी, मोहित उनियाल, मनोज नौटियाल, राजकुमार जैसवाल, मोहम्मद नूर हसन, मुकर्रम अंसारी, सत्यवीर चौधरी, अय्याज भाई, मदन लाल, इरशाद अली, सुरेंद्र कुमार संजय सैनी, अशफाक अली, नजमा खान, अनुराधा तिवारी, शंकर चंद रमोला, जगदीश धीमान, वीरेंद्र पोखरियाल, वीरेंद्र रावत, संजय थापा, देवेंद्र सिंह, गौरव मल्होत्रा, प्रवीण त्यागी आदि उपस्थित रहे।

GST के नियमों में बड़ा बदलाव संभव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , केंद्र सरकार अगले दो से तीन साल में जीएसटी के नियमों में बड़ा बदलाव करने वाली है. सभी बिजनेस के लिए 'बिजनेस टू कस्टमर' (B2C) ट्रांजैक्शन के लिए अगले दो से तीन साल में ई-बिल यानी इलेक्ट्रॉनिक बिल जरूरी हो जाएगा. फिलहाल पांच करोड़ या उससे अधिक के टर्नओवर वाले बिजनेस को लिए ही ई-बिल अनिवार्य है, मगर अब सरकार नियमों में बदलाव करके इसे सभी बिजनेस को लिए लागू करने की तैयारी में है.

जीएसटी सिस्टम में होंगे बड़े बदलाव

सरकार जीएसटी सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है. CBIC यानी केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के सदस्य जीएसटी शशांक प्रिया ने इस बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि बिजनेस टू कंज्यूमर ट्रांजेक्शन को ई-बिल में लाने के लिए लगातार कोशिश की जा रही है. इसके लिए काम चल रहा है और सिस्टम को जल्द तैयार कर लिया जाएगा.उन्होंने कहा कि हम यह देख रहे हैं कि किस क्षेत्र में इस नियम को सबसे पहले लागू किया जा सकता है. इसके साथ ही कई

ऐसे बिजनेस को चिन्हित किया जा रहा है जो 5 से 10 करोड़ रुपये का कारोबार करने के बावजूद भी ई-वॉइस जनरेट नहीं कर रहे हैं. ऐसे में विभाग नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई और अंकुश लगाने की तैयारी में है.

धीरे-धीरे ई-बिल के दायरे को बढ़ाया जा रहा

गौरतलब है कि जीएसटी के ई-बिल के दायरे को सरकार धीरे-धीरे बढ़ा रही है. 1 अक्टूबर 2020 से 500 करोड़ से अधिक के टर्नओवर वाले बिजनेस के लिए ई-बिल अनिवार्य किया गया था. वहीं 1 जनवरी, 2021 को 100 करोड़ से अधिक टर्नओवर वाले बिजनेस को ई-बिल के दायरे में लाया गया है. 1 अप्रैल 2021 से 50 करोड़ और 1 अप्रैल 2022 से 20 करोड़ के बिजनेस के लिए ई-बिल अनिवार्य कर दिया गया है. वहीं 1 अक्टूबर 2022 से 10 करोड़ और 1 अगस्त 2023 से 5 करोड़ के बिजनेस को लिए ई-बिल जनरेट करना जरूरी हो चुका है. ऐसे में 5 या उससे अधिक टर्नओवर वाले बिजनेस ऐसा करने में नाकाम रहते हैं तो उन पर जीएसटी विभाग कार्रवाई करेगा.

कैसे देते हैं सीपीआर ? जानिए और सीखिए एक्सपर्ट्स के टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , सीपीआर का मतलब है कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन यह भी एक तरह की प्राथमिक चिकित्सा यानी फर्स्ट एड है जब किसी पीड़ित को सांस लेने में दिक्कत हो या फिर वो सांस न ले पा रहा हो और बेहोश जो जाए तो सीपीआर से उसकी जान बचाई जा सकती है। बिजली का झटका लगने पर, पानी में डूबने पर और दम घुटने पर सीपीआर से पीड़ित को आराम पहुंचाया जा सकता है। हार्ट अटैक यानी दिल का दौरा पड़ने पर तो सबसे पहले और समय पर सीपीआर दे दिया जाय तो पीड़ित की जान बचाने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

अगर किसी पीड़ित को दिल का दौरा पड़ जाय तो सबसे महत्वपूर्ण है कि प्राथमिक चिकित्सा देने वाला व्यक्ति खुद ना घबराए और पूरा धैर्य रखे। किसी भी तरह की फर्स्ट एड देने से पहले एंबुलेंस को कॉल करे या फिर हॉस्पिटल को सूचित करे की आप बहुत ही कम समय में हार्ट अटैक के मरीज को लेकर वहां पहुंचने वाले हैं।पीड़ित के हाल की जांच तुरंत करें। ये देखने की कोशिश करें कि मरीज होश में है कि नहीं। उसकी सांस चल रही है कि नहीं। अगर उसकी सांस चल रही है तो मरीज को आराम से बिठायें और उसे रिलैक्स कराएं। मरीज के कपड़ो को ढीला कर दे। अगर मरीज को पहले से ही हार्ट की समस्या है और वो कोई दवाएं लेता हो , तो पहले उसे वही दवा दें जो वो लेता रहा है।यदि मरीज को होश नहीं आ रहा हो, उसके दिल की धड़कने बंद हो गयी हो या साँस नहीं चल रही हो तो सीपीआर प्रक्रिया अपनाएं।

सीपीआर क्रिया करने में सबसे पहले पीड़ित को किसी ठोस जगह पर लिटा दिया जाता है और प्राथमिक उपचार देने वाला व्यक्ति उसके पास घुटनों के बल बैठ जाता है। उसकी नाक और गला चेक कर ये सुनिश्चित किया जाता है कि उसे सांस लेने में कोई रुकावट तो नहीं है। जीभ अगर पलट गयी है तो उसे सही जगह पर

उंगलियों के सहारे लाया जाता है।

सीपीआर में मुख्य रुप से दो काम किए जाते हैं। पहला छाती को दबाना और दूसरा मुँह से सांस देना जिसे माउथ टु माउथ रेस्पिरेशन कहते हैं। पहली प्रक्रिया में पीड़ित के सीने के बीचोबीच हथेली रखकर पंपिंग करते हुए दबाया जाता है। एक से दो बार ऐसा करने से धड़कनें फिर से शुरू हो जाएंगी। पंपिंग करते समय दूसरे हाथ को पहले हाथ के ऊपर रख कर उंगलियो से बांध लें अपने हाथ और कोहनी को सीधा रखें।अगर पम्पिंग करने से भी सांस नहीं आती और धड़कने शुरू नहीं होतीं तो पम्पिंग के साथ मरीज को कृत्रिम सांस देने की कोशिश की जाती है।

ऐसा करने के लिए हथेली से छाती को 1 - 2 इंच दबाएं, ऐसा प्रति मिनट में 100 बार करें। सीपीआर में दबाव और कृत्रिम सांस का एक खास अनुपात होता है।30 बार छाती पर दबाव बनाया जाता है तो दो बार कृत्रिम साँस दी जाती है। छाती पर दबाव और कृत्रिम साँस देने का अनुपात 30 :02 का होना चाहिए। कृत्रिम सांस देते समय मरीज की नाक को दो उंगलियों से दबाकर मुंह से साँस दी जाती है। ऐसा इसलिए किया जाता है क्योंकि नाक बंद होने पर ही मुंह से दी गयी सांस फेफड़ों तक पहुंच पाती है।

क्या है सीपीआर का महत्व

दिल का दौरा पड़ने पर पहले एक घंटे को गोल्डन ऑवर माना जाता है। इसी गोल्डन ऑवर में हम मरीज की जान बचा सकते है। कभी कभी एंबुलेंस या मेडिकल सुविधा किसी कारण उपलब्ध नहीं होती है। ऐसे समय में सीपीआर किसी भी पीड़ित के लिए संजीवनी का काम कर सकता है।

अब अकाउंट से पैसे गायब नहीं होने देगी सरकार !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सब्जी की दुकान हो या महंगे रेस्तरां में खाने का पेमेंट करना, यूपीआई पेमेंट ने हम सबकी जिंदगी काफी बदल दी है. लेकिन चोर-ठगों ने इससे भी 'स्कैम' करने के तरीके ढूंढ डाले. कभी किसी को यूपीआई आईडी का लिंक भेजकर या किसी को क्यूआर कोड भेजकर आए दिन 'ठगी' हो रही है. अब सरकार ने भी इन सभी 'स्कैम' पर रोक लगाने का मन बना लिया है, यानी आपके खाते से अब पैसे गायब नहीं होंगे.

दरअसल भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने यूपीआई सर्विस देने वाली सरकारी कंपनी 'नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' (एनपीसीआई) के साथ इस बारे में लंबी-चौड़ी चर्चा की है.

कैसे होता है आपके साथ स्कैम ?

स्कैमर्स आपके साथ ठगी करने के लिए कई तरीके अपनाते हैं. इनमें सबसे पॉपुलर तरीका लोगों को लॉटरी लगने या ढेर सारा पैसा मिलने के एसएमएस भेजना, उसमें पेमेंट का एक लिंक होना और फिर अकाउंट को हैक कर लेना. इसके बाद अकाउंट से पैसे गायब. हाल फिलहाल में क्यूआर कोड से ठगी करने की घटनाएं भी देखी गई हैं. लोग आपको क्यूआर कोड भेजकर उसे स्कैन करने का लालच देते हैं. जैसे ही आपने उस स्कैन किया, आपके अकाउंट की डिटेल्स उनके पास पहुंच जाती हैं और फिर आपके अकाउंट से पैसा गायब. हालांकि अब इन सब पर जल्दी रोक लग

सकती है, क्योंकि सरकार ने इस पर नकेल कसने की तैयारी कर ली है.

ऐसे छूटेंगे 'स्कैमर्स' के पसीने

डिजिटल पेमेंट को एक्स्ट्रा सेफ बनाने और 'स्कैमर्स' के पसीने छुटाने के लिए सभी सरकारी एजेंसी मिलकर काम कर रही हैं. अब सरकार की कोशिश है कि जब भी कोई बड़े पेमेंट का लेनदेन डिजिटल तरीके से करे, तो उसके पास एक एक्स्ट्रा सेफ्टी लेयर हो.अभी यूपीआई से पेमेंट करते वक्त आपको स्कैन के बाद सिर्फ अपना 'पिन कोड' डालना होता है, लेकिन जल्द ही ऐसा फिल्टर आ सकता है कि एक निश्चित राशि से अधिक पेमेंट करने के लिए आपको OTP भी डालना होगा. हाल में कुछ बैंकों ने अपने एटीएम में भी इस तरह की सुविधा शुरू की है, जहां एटीएम से पैसा निकालने के लिए भी आपको पिन कोड के साथ-साथ ओटीपी नंबर भी डालना पड़ता है.इतना ही नहीं सरकार इस पर भी विचार कर रही है कि डिजिटल पेमेंट ऐप्स में ऐसे फीचर्स जोड़े जाएं जो सिम क्लोनिंग और फर्जी क्यूआर कोड की पहचान कर सकें. इसके अलावा NPCI ने बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी की 'भोला' सीरीज चलाकर लोगों को जागरुक करने का अभियान भी चलाया है.

आगे बढ़ता उत्तराखण्ड
सुरक्षा, समृद्धि और सुअवसरों की भूमि

DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023
Peace To Prosperity
8th - 9th December | Dehradun

उत्तराखण्ड
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023
का
शुभारंभ

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के कर-कमलों द्वारा

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

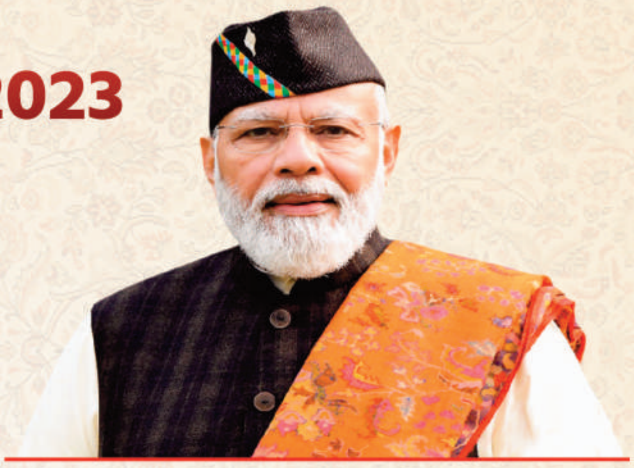

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

गरिमामयी उपस्थिति
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

दिनांक: 8 दिसम्बर, 2023
समय: प्रातः 9 बजे | स्थान: FRI, देहरादून

उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अंतर्गत ₹3 लाख करोड़ से अधिक के समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित।

5,000 से अधिक व्यवसाय प्रतिनिधि एवं विभिन्न देशों के राजदूत करेंगे प्रतिभाग।

₹44,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह।

प्रदेश के सभी क्षेत्रों में 27 से अधिक निवेशक-अनुकूल नीतियां लागू। प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन, सब्सिडी और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण के जरिए राज्य के निवेश में बढ़ावा।

पंजीकरण करने के लिए यूआरएल पर जाएं www.destinationuttarakhand.co.in/investorsummit/visitors/visitor-register

या क्यूआर कोड स्कैन करें
/ukgis2023
टोल फ्री नं० 1800-309-7225

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण DD News पर देखें।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

उत्तराखण्ड शासन
आज़ादी का अमृत महोत्सव
आगे बढ़ता उत्तराखण्ड
सुरक्षा, समृद्धि और सुअवसरों की भूमि
DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023
Peace To Prosperity
8th - 9th December | Dehradun
उत्तराखण्ड
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023
का
शुभारंभ
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के कर-कमलों द्वारा
गरिमामयी उपस्थिति
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
दिनांक: 8 दिसम्बर, 2023
समय: प्रातः 9 बजे | स्थान: FRI, देहरादून
उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के अंतर्गत ₹3 लाख करोड़ से अधिक के समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित।
5,000 से अधिक व्यवसाय प्रतिनिधि एवं विभिन्न देशों के राजदूत करेंगे प्रतिभाग।
₹44,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह।
प्रदेश के सभी क्षेत्रों में 27 से अधिक निवेशक-अनुकूल नीतियां लागू। प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन, सब्सिडी और अनुकूल व्यावसायिक वातावरण के जरिए राज्य के निवेश में बढ़ावा।
पंजीकरण करने के लिए यूआरएल पर जाएं www.destinationuttarakhand.co.in/investorsummit/visitors/visitor-register
या क्यूआर कोड स्कैन करें
/ukgis2023
टोल फ्री नं० 1800-309-7225
कार्यक्रम का सीधा प्रसारण DD News पर देखें।
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

फोन में घुसा बैठा है वायरस, जानिए ये है संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , लाइफ जैसे-जैसे डिजिटल होती जा रही है, वैसे ही हैकिंग का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है. आजकल के हैकर्स हैकिंग के ऐसे एडवांस तरीके अपना रहे हैं जिससे कि लोगों को पता नहीं चल पाता है कि उनके साथ खेल हो चुका है. हैकर्स और दूसरे स्पैमर बिना सोचे-समझे पीड़ितों का शोषण करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं. इन हैकर्स का मकसद बैंकिंग जानकारी चुराना या किसी अन्य नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाना होता है.

लेकिन अच्छी बात ये है कि Google ने एंड्रॉयड पर मैलवेयर से निपटने और यहां तक कि उसे हटाने के तरीके प्रदान किए हैं.लेकिन तरीके जानने से पहले आइए हम आपको उन संकेत के बारे में बताते हें, जो अगर आपको फोन पर दिखे तो मतलब कि आपके फोन में मैलवेयर या वायरस घुस चुका है.

कैसे पता चलेगा कि फोन पर हो चुकी है हैकिंग

1-अगर Google आपके अकाउंट को साइन आउट कर देता है तो ये एक बड़ा संकेत हो सकता है कि आपका फोन हैकर के हाथ लग चुका है. हालांकि साइन आउट क्यों हुआ है कि इसे ज़रूर चेक कर लें.

2-अगर आपको फोन में कुछ ऐसे पॉप-अप और विज्ञापन दिखते हैं जो वहां नहीं होने चाहिए, तो हैक हो जाने का चांस है.

3-अगर आप ये महसूस करते हैं कि आपका फोन काफी स्लो चल रहा है तो आपको चेक करना चाहिए कि ये किस तरह की एक्टिविटी से ऐसा हो रहा है.ये भी पढ़ें- ये हैं दुनिया के सबसे रफ एंड टफ फोन, गिराओ, फेंको या पानी में डुबाओ, लोहे जैसी बॉडी पर नहीं होगा असर!

4-अगर आपको ये लगने लगे कि कोई चीज़ आपके डिवाइस पर बड़ी मात्रा में जगह घेरने लगी है. यानी कि अचानक से स्टोरेज कम होने लगी है तो आपको देखना होगा कि ऐसा क्यों हो रहा है. क्योंकि कई बार हैकर बिना परमिशन के फोन में कुछ डाउनलोड कर देते हैं.

5-आपका ब्राउज़र अलग-अलग वेबसाइट या एडल्ट कंटेंट पर रीडायरेक्ट करने लगे तो समझ लीजिए कि आपके फोन के साथ-साथ छेड़छाड़ की जा रही है.

कैसे करना है बचाव?

गूगल सलाह देता है कि आप सुनिश्चित करें कि आपका प्ले प्रोटेक्ट ऑन है. ऐसा प्ले स्टोर में किया जा सकता है. इसके लिए आपको प्ले स्टोर पर जाना होगा, इसके बाद प्रोफाइल आइकन पर टैप करना होगा, और फिर प्ले प्रोटेक्ट पर टैप करें. इसके बाद आपको सेटिंग्स पर क्लिक करना होगा और प्ले प्रोटेक्ट के साथ स्कैम ऐप्स को चालू करें.

इतनी बार कटा चालान तो कैंसिल होगा लाइसेंस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , यूपी की सड़कों पर लगातार हो रहे हादसों से निजात दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नई रणनीति अपनाई है. यूपी के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारी और मंडलायुक्त के साथ बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैलाने समेत कई विषयों पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की. बैठक में ऐसी घटनाओं का एक बड़ा कारण तेज रफ्तार में गाड़ी चलाना माना गया.बैठक में ये तय हुआ कि तेज रफ्तार में गाड़ियां चला रहे लोगों का मानक के ऊपर जाने पर चालान किया जाए. वहीं तीन बार से अधिक चालान होने पर लाइसेंस निरस्त करने का भी नियम बनाया जाए और अगर उसके बाद भी चालक नहीं मानते हैं तो उनके वाहनों का पंजीकरण भी निरस्त कराया जाए.

ये हैं बढ़ते हादसों के कारण

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने सभी 75 जिले के जिलाधिकारियों और 18 मंडलों के मंडलायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बात की थी. इस दौरान ओवर स्पीडिंग, रॉन्ग साइड ड्राइविंग, ड्रिंक एंड ड्राइव और मोबाइल फोन का प्रयोग करना सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण माना गया.

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा किया जाएगा आयोजित : मुख्य सचिव ने इसमें कमी लाने के लिए जागरूकता फैलाने की बात कही. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 15 से 31 दिसंबर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा आयोजित किया जाए जिसमें लोगों को जागरूक किया जाए. उन्होंने कहा कि ये एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा है इस पर सभी कमिश्नर और डीएम गंभीरता से काम करें. मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटनाओं से प्रभावित व्यक्तियों को समय से उपचार मिल सके इसका भी ध्यान रखा जाए.

आज ही कर लें मतलबी, बनावटी दोस्तों की पहचान !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , सच्चा दोस्त वही होता है, जो सिर्फ आपकी खुशियों में ही नहीं, बल्कि आपके दुख की घड़ी में भी साथ दे. सच्चे दोस्त कभी भी दिखावा नहीं करते हैं. वे बनावटी नहीं होते हैं. ऊपर से कुछ और अंदर से कुछ और नहीं होते. कुछ लोग सच्चे और झूठे दोस्तों में फर्क नहीं कर पाते हैं. उनके मन में छुपी गलत भावनाओं को भांप नहीं पाते हैं. नकली दोस्त यानी फेक फ्रेंड वे होते हैं, जो आपकी परवाह करने का दिखावा करते हैं, लेकिन वास्तव में आपके हित को ध्यान में नहीं रखते. ऐसे में आप इन 6 संकतों से पहचान सकते हैं कि आपका दोस्त सच्चा है या झूठा.

सच्चे और झूठे दोस्त में फर्कः सच्चे मित्र इमोशनल और प्रैक्टिकल सपोर्ट का एक मूल्यवान स्रोत होते हैं. कुछ शोध बताते हैं कि जिनके जीवन में अच्छे दोस्तों का साथ हो, उन्हें कभी स्ट्रेस नहीं होता है. इससे मेंटल और फिजिकल हेल्थ बेहतर बना रहता है. नकली और दिखावटी मित्र पर भरोसा करना कठिन हो सकता है, क्योंकि जब आपको वास्तव में इनकी जरूरत होती है तो वे अधिक सपोर्ट, सहानुभूति या वफादारी नहीं दिखाते हैं.

जरूरत पड़ने पर गायब हो जानाः नकली दोस्त तब आसपास होते हैं, जब उन्हें किसी चीज़ की ज़रूरत होती है, लेकिन तब नहीं जब आपको किसी चीज़ की ज़रूरत होती है. आपकी ज़रूरत के समय वे गायब हो सकते हैं या बहाना बना सकते हैं. यदि आपका भी कोई दोस्त ऐसा कर रहा है तो उससे दूरी बना लेना ही बेहतर होगा.

एकतरफ़ापनः ऐसे दोस्तों के साथ हमेशा आपका रिश्ता एकतरफा लग सकता है, उदाहरण के लिए, जब भी आप अपने दोस्त से बात करेंगे तो वे सिर्फ अपनी ही बातें करेगा. उसकी लाइफ में क्या चल रहा है, वो शेयर करेगा. अपनी ही राय देता रहेगा. ऐसा भी संभव है कि आपको साथ जो भी हो रहा है, उसमें वे अधिक रुचि न दिखाएं. कहने का मतलब है कि सिर्फ अपनी सुनाना और कहना. जिसके व्यवहार में एकतरफा झलके, ऐसे फ्रेंड से दूर ही रहने में आपकी भलाई है.

अविश्वसनीयताः ऐसे दोस्त अविश्वसनीय हो सकते हैं. ये कभी भी किया गया वादा नहीं निभाते हैं. ऐसे में इन पर किसी भी चीज़ को लेकर इन पर भरोसा करना मुश्किल हो सकता है. वे बेशक आपकी मदद करने का वादा करें, लेकिन आखिरी समय में आपको छोड़ कर भाग भी सकते हैं. Image: Canva

विश्वासघातः दिखावटी और झूठे दोस्त कभी भी आपके प्रति वफादार नहीं हो सकते. वे आपकी हर सीक्रेट बातों को भी दूसरों के साथ शेयर कर सकते हैं. आपकी पीठ पीछे आपके बारे में बुरी बातें कर सकते हैं या आपके बारे में अफवाहें भी फैला सकते हैं.अनादरः कभी भी किसी भी परिस्थितियों में बनावटी और झूठे दोस्त दूसरों के सामने आपको ही झूठा साबित करके आपका अनादर कर सकते हैं. अपमानित या उपहास कर सकते हैं.ईर्ष्याः ऐसे दोस्त आपकी सफलताओं और उपलब्धियों से खतरा महसूस कर सकते हैं, उन्हें आपकी तरक्की से ईर्ष्या हो सकती है. आपकी उपलब्धियों का जश्न मनाने की बजाय, वे उन्हें कमतर आंकने या आपसे प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश कर सकते हैं. बेहतर है कि ऐसे लोगों से जितनी जल्दी दूरी बना सकें, बना लें.

'साली ' 'बाप और बीवी', ये हैं भारत के अनोखे रेलवे स्टेशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बीते कुछ सालों में भारतीय रेलवे ने तेजी से तरक्की की है। देश की रेलवे लाइन हर रोज लाखों लोगों को यहां से वहां ले जाती है। इसी बीच सफर के दौरान आपने देखे होंगे कि कई स्टेशन पर टंगे हुए बोर्ड के नाम दिखाई देते हैं। इनमें से कुछ नाम इतने अजीबो गरीब होते हैं कि जिन्हें पढ़कर राहगीरों की हंसी छूट पड़ती है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे ही अनोखे रेलवे स्टेशन के नाम के बारे में जिन्हें सुनने के बाद आप ठहाके मारकर हंसने लगेंगे।

बीवी नगर , साली , बाप रेलवे स्टेशन

बीवी नगर नाम का यह रेलवे स्टेशन तेलंगाना के भवानीगढ़ जिले में आता है। इस नाम को पढ़ते ही लोगों को जरूर अपनी बीवी की याद आने लगती होंगी और साथ-साथ हंसी भी छूट जाती है। अब बीवी के बाद साली का नाम तो आना बनता ही है। दरअसल, राजस्थान की राजधानी जयपुर डिवीजन के अंतर्गत एक ऐसा भी स्टेशन आता है जिसका नाम साली रेलवे स्टेशन है। अपने नाम की वजह से यह रेलवे स्टेशन काफी मशहूर है। राजस्थान के जोधपुर के पास बाप रेलवे स्टेशन पड़ता है। यह रेलवे स्टेशन भारतीय रेल के उत्तर पश्चिमी रेलवे जोन के अंतर्गत आता है जो अपने नाम के लिए काफी चर्चा में है।

सूअर बिल्ली स्टेशन

जानवरों के नाम पर भी रेलवे स्टेशन के नाम रखे गए हैं। जी हां..यह सूअर स्टेशन है जो उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले का है। सूअर स्टेशन के बाद अब पेश है बिल्ली स्टेशन। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में धनबाद डिवीजन के अंतर्गत बिल्ली स्टेशन आता है।

दीवाना जंक्शन , दारू , सहेली रेलवे स्टेशन

दीवाना रेलवे स्टेशन हरियाणा के पानीपत में स्थित है। वैसे तो यह बहुत छोटा सा स्टेशन है लेकिन अपने नाम के कारण इसने चारों और दीवानगी बढ़ा रखी है और यह काफी चर्चा में रहता है। दारु पीने वाले लोगों के लिए यह नाम काफी अच्छा हो सकता है। हालांकि इस स्टेशन का दारू या शराब से कोई लेना देना नहीं है लेकिन झारखंड हजारीबाग जिले में यह दारू नाम का स्टेशन काफी सुर्खियों में है। बीवी, साली के बाद अब सहेली रेलवे स्टेशन भी काफी मशहूर है। मध्य प्रदेश में होशंगाबाद जिले के अंतर्गत नागपुर रेल डिवीजन में सहेली रेलवे स्टेशन आता है।

नाना , काला बकरा , भैंसा रेलवे स्टेशन

नाना रेलवे स्टेशन के चलते आपको आपके नाना की जरूर याद आएगी। ये स्टेशन राजस्थान के सिरोही पिंडवाड़ा नाम की जगह पर है। इस रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनें रूकती है। यह रेलवे स्टेशन उदयपुर के सबसे करीबी माना जाता है। यह स्टेशन जालंधर के गांव में है और यह अपने नाम के लिए काफी चर्चा में रहता है। इतना ही नहीं बल्कि इस गांव के भारतीय सैनिक गुरबचन सिंह भी काफी प्रसिद्ध है। उन्हें अंग्रेजों द्वारा सम्मानित किया गया था।

महाराष्ट्र के प्रभाणी जिले का एक छोटा सा शहर है जहां पथरी स्टेशन स्थित है। बता दें, अमृतसर से देहरादून के लिए चलने वाली पैसेंजर ट्रेन और एक्सप्रेस ट्रेन इस स्टेशन पर रूकती है। सूअर, बिल्ली के बाद अब हाजिर है भैंसा रेलवे स्टेशन। बता दें, भैंसा स्टेशन तेलंगाना के निर्मल जिले में स्थित है।

माया कॉलेज में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सेलाकुई, 8 दिसंबर , माया कॉलेज में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें देहरादून जिले के 100 से भी अधिक स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। विज्ञान प्रदर्शनी का विषय कृषि और खाद्य सुरक्षा, अपशिष्ट से सर्वोत्तम, आपदा प्रबंधन, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण रखा गया था। मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल राजेश सेमवाल ने भारतीय सेना से जुड़ने के लिए सभी छात्रों को प्रेरित किया। अपनी प्रस्तुति में उन्हें भारतीय सेना से जुड़ने के लिए एनडीए, सीडीएस और तकनीकी प्रवेश जैसे विभिन्न विषयों पर छात्रों को मार्गदर्शन दिया।

सीनियर लेवल में जनता इंटर कॉलेज के दक्ष और अनुषी ने प्रथम, आरकेएस अशोक आश्रम स्कूल की जिया ने द्वितीय और आईपीएस देहरादून की तपस्या और गौतमी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं जूनियर लेवल में जनता इंटर कॉलेज के पारस और करण ने प्रथम, जीआईसी, सेलाकुई की दीक्षा ने दूसरा और श्री राम स्कूल के तरणप्रीत और प्रांशुल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में माया देवी एजुकेशन फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ. आशीष सेमवाल, प्रबंध निदेशक, डॉ. तृप्ति जुयाल सेमवाल, कैंपस डीन, डॉ. मनीष पांडे, अतिरिक्त निदेशक, गौरव तोमर, उप निदेशक, आशुतोष बडोला, डॉ. शिवानी जग्गी, दीपा चावला, विन्नी रावल, डॉ. पारुल, डॉ. वर्षा उपाध्याय, डॉ. पूजा अग्रवाल, डॉ. रेखा जोशी, डॉ. अमित आदि उपस्थित।

कहीं कबाड़ न हो जाए आपका आईफोन? तुरंत करें ये काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

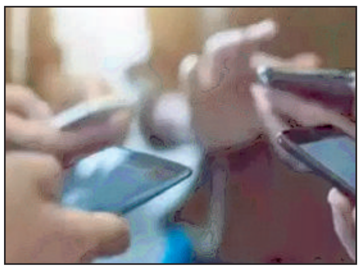

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , आईफोन चलाना हर किसी का सपना होता है। ऐपल का आईफोन एक बेहद पॉपुलर स्मार्टफोन ब्रांड है। यह फोन जल्दी खराब नहीं होता और समय के साथ स्लो भी नहीं होता है। यही कारण है कि आईफोन (iPhone) के पुराने मॉडल की रीसेल बिक्री भी जबरदस्त होती है। ऐसे में अगर आपके पास कोई पुराना iPhone SE है तो आपका ये फोन जल्द ही कबाड़ हो सकता है। क्योंकि ऐपल ने पहली जनरेशन के iPhone SE को विंटेज प्रोडक्ट अनाउंस कर दिया है।

iPhone SE पॉपुलर बजट स्मार्टफोन

इसका मतबल अब इस स्मार्टफोन के पार्ट्स हार्डवेयर मिलने बंद हो जाएंगे। ऐसे में अगर iPhone SE खराब होताहै तो उसे दोबारा से ठीक नहीं किया जा सकता है। बता दें कि Apple iphone SE काफी सस्ता आजाा है। मार्च 2016 में लॉन्च इस फोन की सेल 5 साल पहले सितंबर 2018 में ही बंद हो गई थी। यह ऐपल का काफी पॉपुलर बजट में आने वाला प्रोडक्ट है। इसमें A9 चिपसेट कंपनी ने दिया था। iPhone को सितंबर 2023 में iOS 15.7 अपडेट कंपनी ने जारी किया था।

विंटेज प्रोडक्ट का क्या मतलब

ऐपल की तरफ से जारी विंटेज प्रोडक्ट का मतलब है कि अब इसमें कोई अपडेट नहीं मिलेगा। ऐपल की तरफ से विंटेज प्रोडक्ट की रिपेयरिंग भी बंद कर दी जाती है। ऐसे प्रोडक्ट्स जिन्हें ऐपल 5 या उससे ज्यादा साल पहले बिक्री के लिए बंद कर देता है, उन्हें विंटेज प्रोडक्ट्स माना जाता है।

iPhone SE है तो क्या करें

अगर आपके पास भी फर्स्ट जनरेशन iPhone SE है और आप इसे यूज कर रहे हैं तो तुरंत जाकर इस फोन के बदल दें, क्योंकि विंटेज प्रोडक्ट को रेगुलर सॉफ्टवेयर अपडेट न मिलने से प्राइवेसी के सेफ नहीं माने जाते हैं। खराब होने के बाद इन फोन की रिपेयरिंग भी नहीं हो पाएगी। इसका मतलब आपका फोन कबाड़ के भाव हो जाएगा।

संपादकीय

नए कश्मीर का सूर्योदय

जम्मू-कश्मीर का जिक्र होगा, तो नेहरू और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भी याद किया जाएगा। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने कश्मीर के संदर्भ में दो 'भयंकर गलतियां' (ब्लंडर) की थीं। भारत की आजादी के कुछ माह बाद ही कबाइलियों (पाकिस्तान की मुखौटा फौज) ने कश्मीर पर हमला कर दिया था। अभी युद्ध जारी था और हमारी सेनाएं जीत रही थीं। पूरे कश्मीर पर भारत का कब्जा होने ही वाला था कि प्रधानमंत्री नेहरू ने युद्धविराम की घोषणा कर दी। नतीजतन कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में ही रहा। वह उसे 'आजाद कश्मीर' कहता है, लेकिन भारत उस पीओके को अपना हिस्सा मानता है। संसद में इस आशय के प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं। दूसरी भयंकर गलती यह थी कि नेहरू कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में ले गए, लिहाजा आज भी कई देश इसे 'अंतरराष्ट्रीय मसला' करार देते हैं। इसके अलावा कश्मीर का आयाम यह था कि 'जनसंघ' के संस्थापक बनने से पहले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश की पहली कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री थे। कश्मीर के मुद्दे पर उन्होंने आंदोलन खड़ा किया था कि कश्मीर में भी 'एक विधान, एक निशान, एक प्रधान' की व्यवस्था होनी चाहिए। उस दौर में शेख अब्दुल्ला कश्मीर के प्रधानमंत्री थे और कश्मीर का संविधान तथा ध्वज भी भारत से अलग थे। उस अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को प्रधानमंत्री मोदी ने 5 अगस्त, 2019 को संसद के जरिए समाप्त किया। आज कश्मीर भी पूरी तरह 'भारतीय' है। लोकसभा में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) और जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयकों को ध्वनि-मत से पारित किया गया। विपक्ष ने वॉकआउट किया। इन विधेयकों के बाद जम्मू-कश्मीर में 'नया सूर्योदय' होगा। साफ है कि संघ शासित क्षेत्र का स्वरूप समाप्त कर कश्मीर का राज्यत्व बहाल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, क्योंकि पुनर्गठन के तहत परिसीमन को स्वीकृति दी गई है। अब जम्मू में 37 से बढ़ा कर 43 सीट और घाटी में 46 के बजाय 47 सीट की व्यवस्था संसद में पारित की गई है। उपराज्यपाल कश्मीर प्रवासी समुदाय के 2 व्यक्तियों (एक महिला समेत) और विस्थापित के एक प्रतिनिधि को विधानसभा में नामांकित कर सकेंगे। जम्मू-कश्मीर में पहले आरक्षण की व्यवस्था बेहद क्षीण थी। अब नौकरियों, शैक्षिक और व्यावसायिक संस्थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति आदि के आरक्षण तय कर दिए गए हैं। कश्मीर के संदर्भ में पंडितों के विस्थापन, पलायन और आतंकवाद, अलगाववाद को भूला नहीं जा सकता। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंक और अलगाव की बुनियादी वजह अनुच्छेद 370 को माना है। अनुच्छेद 370 के कारण ही करीब 45,000 कश्मीरियों की मौतें हुईं। बहरहाल अब गृहमंत्री का दावा है कि आतंकवाद 70 फीसदी खत्म हो चुका है। उसके इकोसिस्टम पर हमले किए जा रहे हैं। आतंकी फंडिंग को नियंत्रित किया जा रहा है। आज अलगाववादियों के आह्वान पर घाटी में न तो हड़ताल होती है और न ही पथराव किया जाता है। अनुच्छेद 370 समाप्त करने पर एक कंकड़ भी नहीं चला। अब हर तीन महीने पर सुरक्षा संबंधी समीक्षा की जाती है। कश्मीर घाटी में अब 4 नए थियेटर खुल चुके हैं। कश्मीर में फिल्में बनाई जाने लगी हैं। 2022-23 के दौरान 2 करोड़ से अधिक पर्यटक कश्मीर घूमने आए। गृहमंत्री का दावा तथ्यात्मक होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने संसद के भीतर ये जानकारियां दी हैं, लेकिन यह कैसे भूला जा सकता है कि कश्मीरी पंडितों के 46,631 परिवारों और 1,57,967 लोगों को अपने ही देश में विस्थापित होना पड़ा था। बहरहाल कश्मीर में सूर्योदय होने लगा है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कुंवारापन या शादीशुदा कौन बेहतर ? दिमाग घुमा देगी सच्चाई

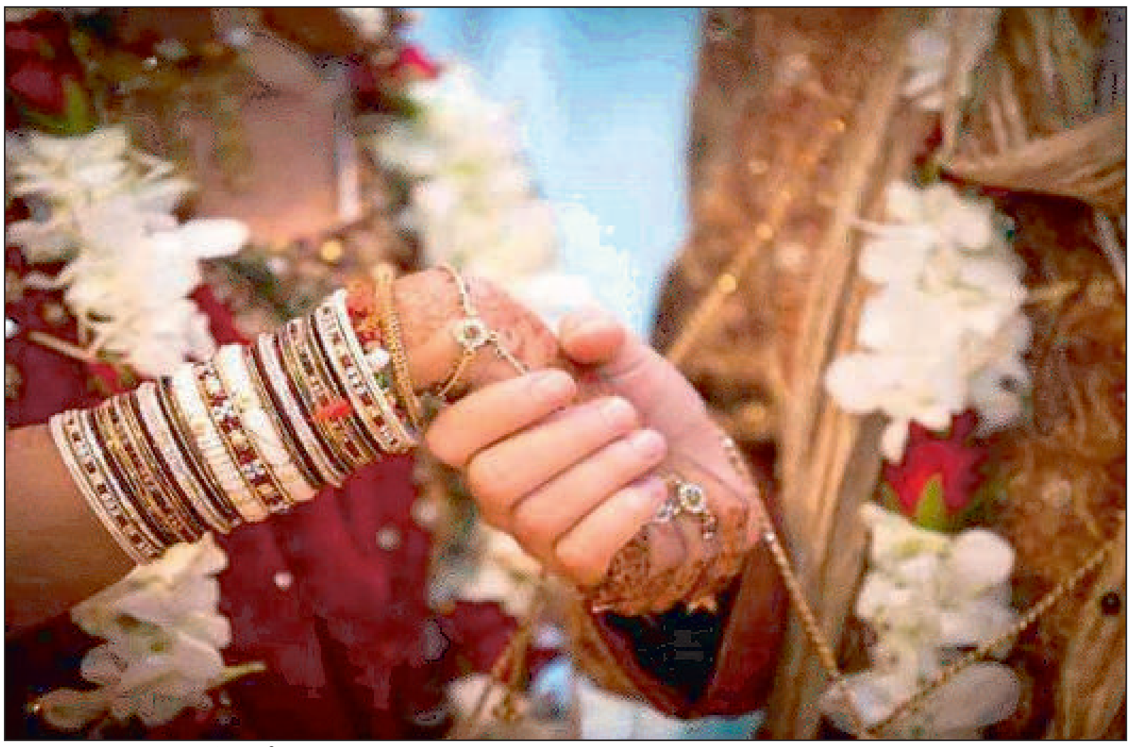

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 8 दिसंबर , इस दुनिया में बहुत से ऐसे लोग हैं जो अपने सिंगल होने से दुखी हैं। उन्हें इस बात की शिकायत रहती है कि उन्हें कोई पार्टनर नहीं मिल रहा। लेकिन जनाब आप उन लोगों का हाल जान लें जो किसी तरह की रिलेशनशिप में हैं। चाहे आप शादी कर लो या गर्लफ्रेंड बॉयफ्रेंड बना लो, झंझट दोनों में ही है। दूसरी ओर यदि आप सिंगल हो तो फायदे में हो। यदि आपको हमारी बातों पर यकीन नहीं तो अभी हम आपको गलत साबित कर देते हैं। आज हम आपको सिंगल होने के ऐसे-ऐसे फायदे बताएंगे कि जो लोग पहले से मिंगल हैं, वह भी सिंगल बनने पर विचार करने लगेंगे।

सिंगल रहने के हैं गजब के फायदे

1. सिंगल रहने पर आपके पास बहुत समय होता है। रिलेशनशिप वालों की आधी जिंदगी अपने पार्टनर की जरूरतें पूरी करने में ही बीत जाती है। वहीं सिंगल लोग खाली समय होने पर अपने शौक पूरे कर सकते हैं। इतना ही नहीं आप इस समय का इस्तेमाल अपने करियर पर फोकस करने में कर सकते हैं। अक्सर देखा जाता है कि सिंगल लोग ज्यादा तेजी से तरक्की करते हैं।

2. सिंगल रहने का दूसरा सबसे बड़ा फायदा है आपका खर्चा बहुत कम होता है। कोई महंगे बर्थडे गिफ्ट नहीं देने पड़ते। कहीं बाहर महंगी जागह खाना खाने या फिल्म देखने नहीं जाना पड़ता। एक तरह से आपकी अच्छी खासी सेविंग हो जाती है। यह बचत के पैसे आपके फ्यूचर में बहुत काम आते हैं। आप आर्थिक रूप से स्ट्रॉंग रहते हैं।

3. सिंगल लोगों को लगता है कि पार्टनर मिलने के बाद वह ज्यादा खुश रहेंगे। जबकि ऐसा नहीं है। बल्कि रिलेशन में आने के बाद आप और भी तनाव में रहने लगेंगे। फिर आपको पार्टनर की हर छोटी मोटी बातों का बुरा लगने लगेगा। वहीं आपके ऊपर मेंटल प्रेशर भी बढ़ जाएगा। रिलेशन में आने के बाद की खुशी बस कुछ दिनों की होती है। बाद में दुख और तनाव आपको घेर लेते हैं। वहीं सिंगल लोग अपनी मर्जी के मालिक होते हैं। इसलिए वह कम तनाव में रहते हैं।

4. सिंगल लोग ज्यादा सेहतमंद भी रहते हैं। तनाव कम होने से वह अच्छी नींद भी लेते हैं। घंटों फोन में देर रात लगे नहीं रहते हैं। उनकी भाग दौड़ भी कम रहती है। वह अपने खान-पान पर भी अधिक ध्यान दे पाते हैं। अधिकतर घर का खाते हैं। बाहर का कम खाते हैं। ये सभी चीजें आपकी ओवरऑल हेल्थ पर पॉजिटिव असर डालती है।

5. सिंगल लोग अपने दोस्तों संग ज्यादा समय बीता पाते हैं। यह दोस्त उनके सुख और दुख में काम आते हैं। वहीं रिलेशन में आने के बाद आपकी दोस्तों से दूरी बढ़ जाती है। कई बार आपका पार्टनर भी नहीं चाहता कि आप अपने दोस्तों संग ज्यादा समय बिताओं। वह चाहता है आप उसके साथ अधिक टाइम स्पेन्ड करो।

6. सिंगल लोग मेंटली स्ट्रॉंग होते हैं। वह अपनी भावनाओं पर अच्छे से काबू रख पाते हैं। उन्हें इमोशनल स्ट्रेस कम होता है। वह कम गुस्सा करते हैं। कम चिढ़चिढ़े होते हैं। हमेशा हंसते और खिलखिलाते रहते हैं। वहीं मिंगल लोग अपने पार्टनर के साथ रहते-रहते भावनात्मक रूप से टूट जाते हैं। अक्सर दुखी रहते हैं। जल्दी इमोशनल हो जाते हैं।

DESTINATION UTTARAKHAND
GLOBAL INVESTORS SUMMIT 2023
8th-9th December • Dehradun
Peace To Prosperity

उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2023

प्रिय अतिथियों

हमारा भारतवर्ष माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में विश्व शांति और तरक्की के दूत के रूप में लगातार आगे बढ़ रहा है।
हम सब भारतवासी खुशनसीब है कि मोदी जी के रूप में हमको एक शानदार, दमदार और जमीनी प्रधानमंत्री मिला है, उन्हीं के सपनों का भारत बनाने में देवभूमि उत्तराखंड के लोकप्रिय युवा मुख्यमंत्री माननीय पुष्कर सिंह धामी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

दुनिया भर से लाखों करोड़ का इन्वेस्टमेंट उत्तराखंड में हो रहा है। यह मुख्यमंत्री धामी जी के अथक प्रयास हैं कि 8 और 9 दिसंबर को देहरादून में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जा रहा है।
माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री और समिट से जुड़े सभी साथियों का धन्यवाद और शुभकामना साथ ही साथ देहरादून पहुंचने वाले सभी इन्वेस्टर और मेहमानों का देवभूमि में हार्दिक स्वागत है।

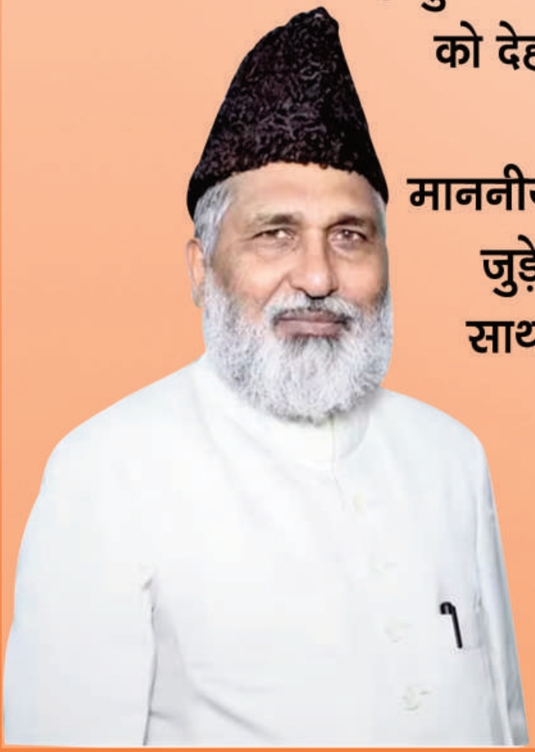

मुफ़्ती शमून क़ासमी
चेयरमैन, उत्तराखंड मदरसा शिक्षा परिषद